Impact Factor (QJIF): 8.47 E-ISSN: 2583-1615, P-ISSN: 3049-3498

International Journal of Research in Academic World

Received: 23/May/2026 IJRAW: 2026; 5(8):08-12 Accepted: 27/June/2026

मध्यप्रदेश के चयनित चीनी उद्योगों की लाभदायकता का विश्लेषणात्मक अध्ययन

[*1]दिनेश कुमार दुबे

[*1]सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नरसिंहपुर, मध्य प्रदेश, भारत।

सारांश

मध्य प्रदेश एक कृषि प्रधान राज्य है, यही कारण है कि यहां चीनी उद्योग प्रदेश में बेहतर स्थिति में है। मध्य प्रदेश औद्योगिक व्यापार में 7वें स्थान पर है। वर्ष 2020-21 में राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में प्रदेश की भागीदारी 24.99% रही है। मध्य प्रदेश में 17 चीनी मिलों ने 6.25 लाख टन गन्ना पेराई कर 0.50 लाख टन चीनी उत्पादन किया है। वहीं वर्ष 2022-23 में प्रदेश में 18 चीनी मिलों द्वारा 10.00 लाख टन गन्ना पेराई कर 0.80 लाख टन चीनी उत्पादन हुआ था। 30 नवंबर, 2023 तक देश की 433 चीनी मिलों ने 511 लाख टन गन्ने की पेराई की है, और अब तक 43.20 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है।

विगत पाँच दशकों में हुई औद्योगिक प्रगति आर्थिक विकास की एक महत्वपूर्ण घटना है। वहीं छटवें दशक के अंतिम वर्षों में एक सुविचारित ढंग से औद्योगिक उत्पादन में गुणात्मक, परिणात्मक एवं विविधता की दृष्टि से द्रुतगति से विकास हुआ है। औद्योगिकरण की प्रक्रिया से उद्यमशीलता व अनेक प्रकार की तकनीकी प्रबंधकीय को काफी आगे बढ़ाया है। आज देश इस स्थिति में है कि वह विदेशों में औद्योगिक इकाईयाँ स्थापित करने हेतु परामर्श सेवायें तथा प्रबंधन, तकनीशियन, दक्ष कर्मी प्रदान कर सके।

देश की औद्योगिक प्रगति का प्रभाव नरसिंहपुर के औद्योगिक मानचित्र पर भी परिलक्षित होता है। उद्योगों के रूप में राष्ट्र के विकास के चिन्ह दृष्टिगोचर होते हैं। औद्योगीकरण आधुनिक सभ्यता का मूल आधार है। व्यापक रूप में औद्योगीकरण आर्थिक प्रगति एवं उन्नत जीवन स्तर की कुंजी हैं औद्योगीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से परम्परागत सामाजिक व्यवस्था के अवगुणों को समाप्त करते हुए विश्वजनित व्यवस्थाओं के समकक्ष सामाजिक प्रगति को नवीन आयाम प्रदान किया जाता है।

नरसिंहपुर जिले में स्थापित चीनी उद्योगों में चीनी उत्पादन के साथ अन्य उपोत्पादों जैसे बगास, खोई, प्रेमसठ, मोलासिस आदि का उत्पादन भी अच्छी मात्रा में किया जाता है लेकिन सर्वप्रथम जिले में गन्ने के उत्पादन की स्थिति को स्पष्ट करना बेहतर होगा, क्योंकि चीनी उद्योगों की सफलता व अन्य उपोत्पादों की मात्रा गन्ने के उत्पादन पर निर्भर करती है। यदि गन्ने की फसल की उत्पादन क्षमता कम होगी तो अन्य उपोत्पादों पर इसका सीधा प्रभाव पड़ेगा।

शोधार्थी द्वारा शोध प्रबंध में मध्यप्रदेश में संचालित 17 चीनी मिलों के अध्ययन को शामिल किया है जिसमें से अध्ययन क्षेत्र में संचालित 03 चीनी मिलें भी शामिल हैं। इन 17 चीनी मिलों में से अध्ययन क्षेत्र नरसिंहपुर जिले की 3 चीनी मिलों की वित्तीय संरचना का विवरण प्रस्तुत करने के साथ-साथ प्रमुख चीनी उद्योगों की उत्पादन क्षमता का संक्षिप्त विवरण शोध अध्ययन में प्रस्तुत किया गया है।

मुख्य शब्द: चीनी उद्योग, औद्योगिक विकास, लाभदायकता, उपोत्पाद, गन्ना उत्पादन।

प्रस्तावना

नरसिंहपुर जिले की चयनित 03 चीनी उद्योगों की वित्तीय संरचना का विश्लेषण लेखांकन पद्धति से किया गया है। उक्त वित्तीय संरचना में चीनी के अतिरिक्त अन्य सह-उपोत्पादनों के आय-व्यय का लेखा-जोखा भी सम्मिलित है। उद्योग के मुख्य उत्पाद चीनी के अतिरिक्त मोलासिस, खोई, बगास, प्रेसमड, इथेनाल आदि सह-उपोत्पादों से प्राप्त आय एवं व्यय के साथ लाभदायकता की स्थिति का विवरण भी यहां स्पष्ट किया जाना उचित होगा। नरसिंहपुर जिले की चयनित 03 चीनी उद्योगों में उत्पादित सह-उपोत्पादों की वित्तीय संरचना निम्नानुसार है।

अध्ययन क्षेत्र नरसिंहपुर चीनी मिलों के उपोत्पादों से शुद्ध व सकल में वृद्धि की स्थिति का मूल्यांकन करने हेतु ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुए । 03 चीनी मिलों में उपोत्पादों से सकल व शुद्ध लाभ की स्थिति निम्न तालिका में स्पष्ट की गयी है।

***Corresponding Author:** दिनेश कुमार दुबे

तालिका 1: मुख्य उत्पाद चीनी के अतिरिक्त अन्य सह-उपोत्पादों का वित्तीय विश्लेषण (करेली शुगर मिल प्रा. लिमिटेड) (वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2021-22 तक) (राशि करोड़ रू. में)

क्रं.	मुख्य एवं सह-उपोत्पाद	वित्तीय वर्ष					
		2019-20	%	2020-21	%	2021-22	%
1.	शुगर	198.72	86.49	286.41	88.80	321.72	87.52
2.	मोलासिस	0.76	0.41	1.92	0.59	2.77	0.75
3.	बगास	2.68	1.22	3.66	1.14	4.25	1.16
4.	प्रेसमड	2.21	0.99	2.74	0.85	2.89	
5.	इथेनाल	24.65	10.89	27.79	8.62	35.96	9.70
	कुल आय	229.02	100	322.52	100	367.59	100

***स्रोत**-करेली शुगर मिल प्रा. लिमिटेड की ऑडिट रिपोर्ट वर्ष 2022।*

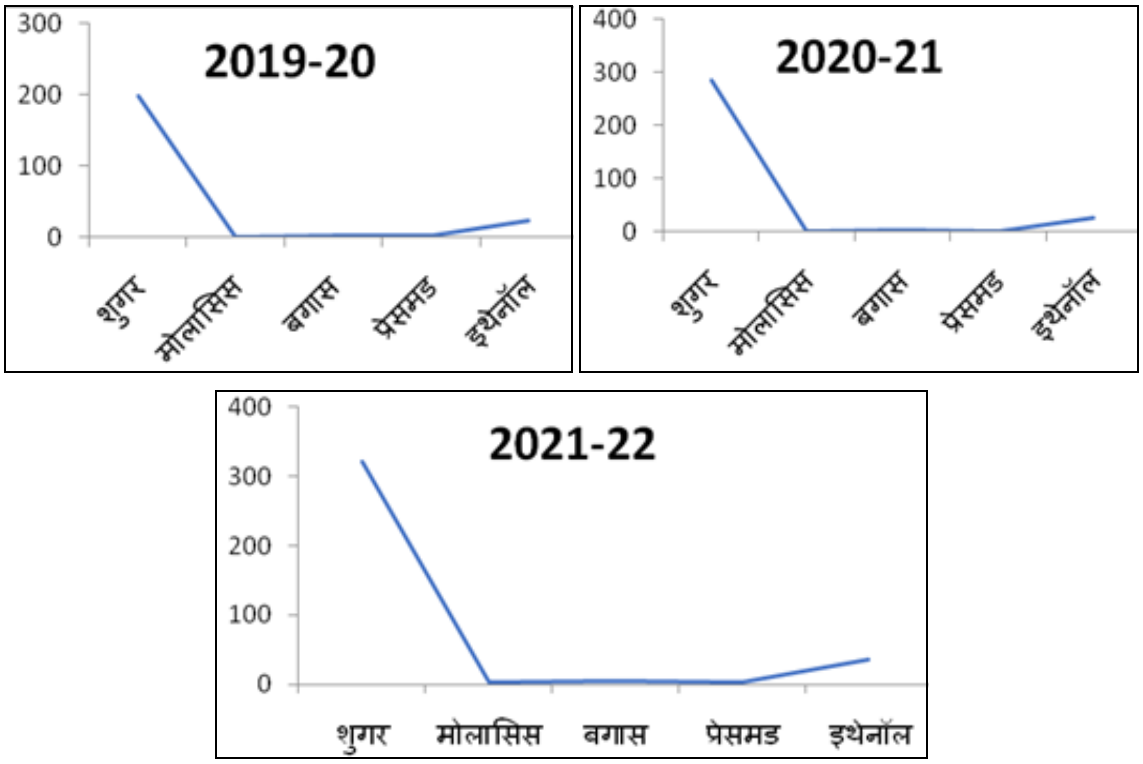

दण्डारेख 1: मुख्य उत्पाद चीनी के अतिरिक्त अन्य सह-उपोत्पादों का वित्तीय विश्लेषण

उपर्युक्त तालिका एवं ग्राफ के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि करेली शुगर मिल प्राइवेट लिमिटेड में उत्पादित मुख्य उत्पाद शुगर के अतिरिक्त अन्य सह-उपोत्पाद से मिल को अतिरिक्त लाभ प्राप्त हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में 229.02 करोड़ रू., वर्ष 2020-21 में 322.52 करोड़ रू. एवं वित्तीय वर्ष 2021-22 में उपोत्पादों से आय बढ़कर 367.59 करोड़ रू. हो गयी। अर्थात् विगत 03 वर्षों की वित्तीय संरचना में लगातार वृद्धि परिलक्षित हो रही है।

तालिका 2: मुख्य उत्पाद चीनी के अतिरिक्त अन्य सह-उपोत्पादों का वित्तीय विश्लेषण (महाकौशल शुगर एंड पॉवर इंडस्ट्रीज लिमिटेड की वित्तीय संरचना) (वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2021-22 तक) (राशि करोड़ रू. में)

क्रं.	मुख्य एवं सह-उपोत्पाद	वित्तीय वर्ष					
		2019-20	%	2020-21	%	2021-22	%
01	शुगर	138.8	92.39	163.88	89.91	139.99	84.83
02	मोलासिस	6.96	4.63	7.02	3.85	11.9	7.21
03	बगास	2.81	1.87	8.25	4.53	9.31	5.64
04	प्रेसमड	0.03	0.02	0.98	0.54	0.04	0.02
05	इथेनाल	1.63	1.09	2.15	1.18	3.78	2.29
	कुल आय	150.23	100.00	182.30	100	165.0	100.00

***स्रोत**-महाकौशल शुगर एंड पॉवर इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड की ऑडिट रिपोर्ट वर्ष 2022।*

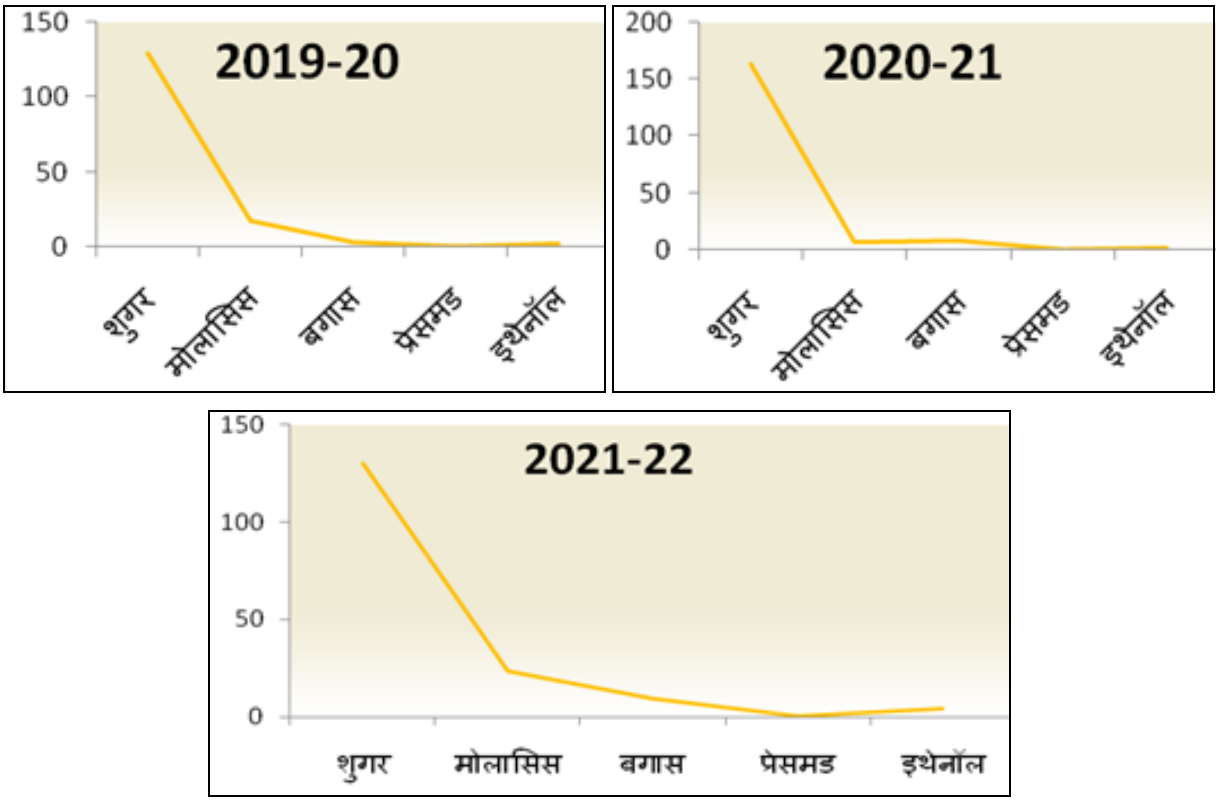

दण्डारेख 2: मुख्य उत्पाद चीनी के अतिरिक्त अन्य सह-उपोत्पादों का वित्तीय विश्लेषण

उपर्युक्त तालिका एवं ग्राफ के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि महाकौशल शुगर एंड पॉवर इंडस्ट्रीज लिमिटेड में उत्पादित मुख्य उत्पाद शुगर के अतिरिक्त अन्य सह-उपोत्पाद से मिल को अतिरिक्त लाभ प्राप्त हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में जहां आय 150.23 करोड़ रू. थी, वह वर्ष 2020-21 में बढ़कर 182.30 करोड़ रू. एवं वित्तीय वर्ष 2021-22 में उपोत्पादों से आय 165.0 करोड़ रू. हो गयी। अर्थात् विगत 03 वर्षों की वित्तीय संरचना में वृद्धि परिलक्षित हो रही है।

तालिका 3: मुख्य उत्पाद चीनी के अतिरिक्त अन्य सह-उपोत्पादों का वित्तीय विश्लेषण (नर्मदा शुगर प्राइवेट लिमिटेड की वित्तीय संरचना) (वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2021-22 तक) (राशि करोड़ रू. में)

क्रं.	मुख्य एवं सह-उपोत्पाद	वित्तीय वर्ष					
		2019-20	%	2020-21	%	2021-22	%
01	शुगर	229.76	78.97	174.7	56.58	366.86	71.33
02	मोलासिस	0.05	0.02	0.02	0.01	1.11	0.22
03	बगास	0.14	0.05	0.21	0.07	0.52	0.10
04	प्रेसमड	3.1	1.07	43.7	14.15	51.13	9.94
05	इथेनाल	57.88	19.89	90.11	29.19	92.69	18.02
	कुल आय	290.9	100	308.7	100	512.31	100

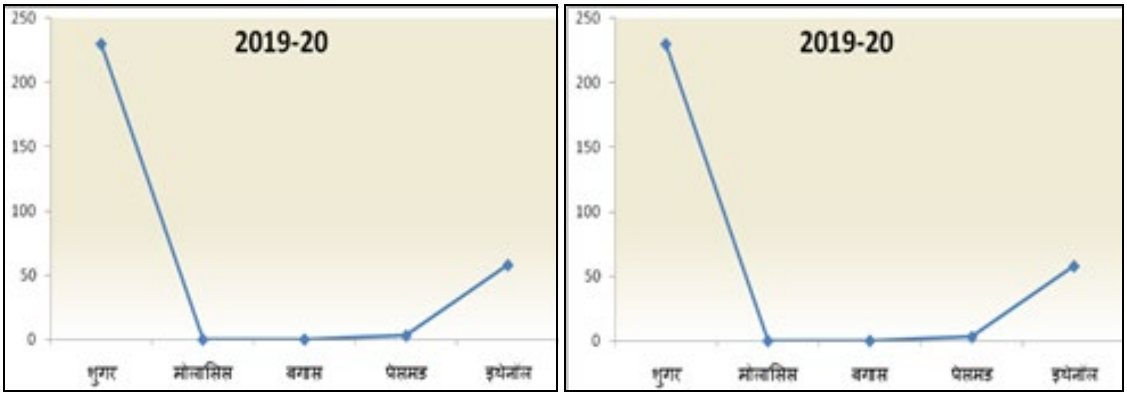

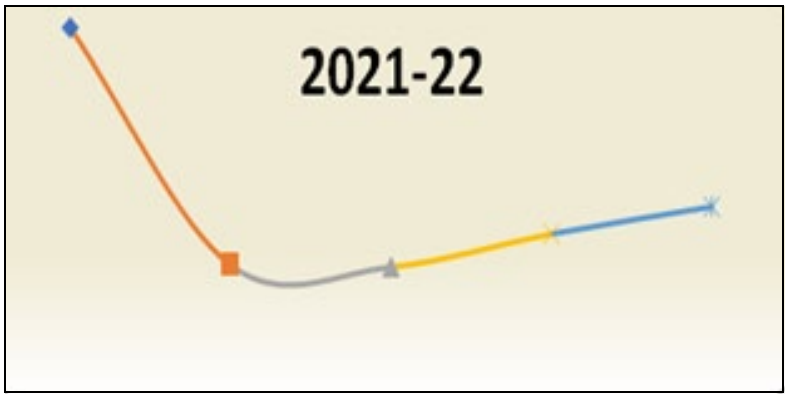

आरेख 3: मुख्य उत्पाद चीनी के अतिरिक्त अन्य सह-उपोत्पादों का वित्तीय विश्लेषण

उपर्युक्त तालिका एवं ग्राफ से स्पष्ट होता है कि नर्मदा शुगर प्राइवेट लिमिटेड में उत्पादित मुख्य उत्पाद शुगर के अतिरिक्त अन्य सह-उपोत्पाद से मिल को अतिरिक्त लाभ प्राप्त हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में जहां आय 290.93 करोड़ रू. थी, वह वर्ष 2020-21 में बढ़कर 308.74 करोड़ रू. एवं वित्तीय वर्ष 2021-22 में उपोत्पादों से आय 512.31 करोड़ रू. हो गयी। अर्थात् विगत 03 वर्षों की वित्तीय संरचना में चीनी उद्योग के लाभ में वृद्धि परिलक्षित हो रही है।

इस प्रकार देखा जाये तो समग्र रूप से अध्ययन क्षेत्र नरसिंहपुर में संचालित 03 चीनी मिलों में उत्पादित सह-उपोत्पाद, बगास, प्रेसमड, मोलासिस, इथेनालकी उत्पादक शुगर से तुलनात्मक रूप से हिस्सादारी को निम्न तालिका के माध्यम से समझा जा सकता है –

तालिका 4:

उपोत्पाद	2019-20	2020-21	2021-22	कुल हिस्सेदारी	हिस्सेदारी का प्रतिशत
मोलासिस	1.91	17.80	0.34	20.05	6.68
बगास	3.95	13.71	0.32	17.98	5.99
प्रेसमड	2.97	0.65	40.30	43.92	14.64
इथेनाल	33.28	5.19	102.04	140.51	46.84

तालिका 5: चयनित 03 चीनी उद्योगों की लाभदायकता की स्थिति का मूल्यांकन (राशि करोड़ रू. में)

चीनी मिल का नाम	विभिन्न लेखांकन अनुपात	2019-20	2020-21	2021-22
करेली शुगर मिल, नरसिंहपुर	सकल लाभ अनुपात	1.67%	1.13%	3.08%
	शुद्ध लाभ अनुपात	1.13%	0.84%	2.61%
महाकौशल शुगर एंड पॉवर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बचई	सकल लाभ अनुपात	6.75%	4.73%	5.94%
	शुद्ध लाभ अनुपात	6.75%	4.73%	4.99%
नर्मदा शुगर प्राइवेट लिमिटेड, गाडरवारा	सकल लाभ अनुपात	9.46%	14.53%	16.87%
	शुद्ध लाभ अनुपात	7.27%	11.83%	14.14%

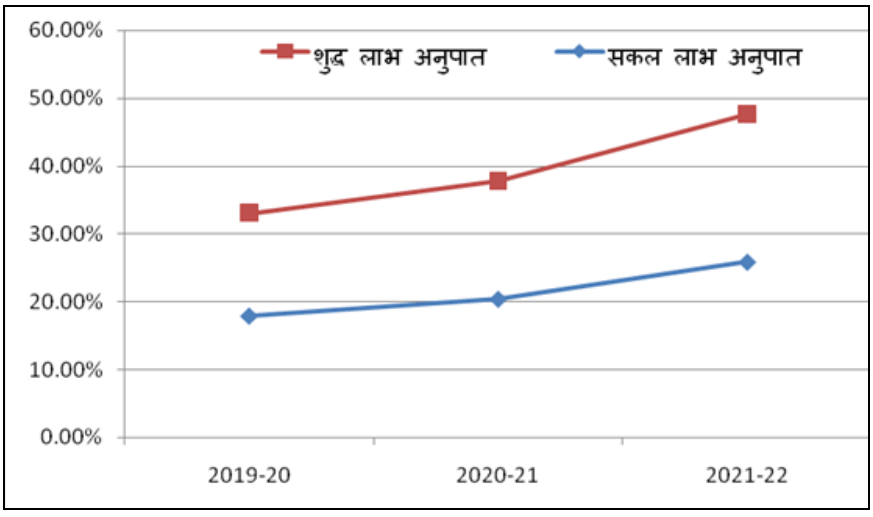

आरेख 4: जिले की 03 चीनी मिलों में उपोत्पादों से प्राप्त शुद्ध लाभ व सकल लाभ अनुपात

उपर्युक्त तालिका एवं आरेख के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि करेली शुगर मिल, नरसिंहपुर का वर्ष 2019-20 में सकल लाभ अनुपात 1.67 प्रतिशत, जो वर्ष 2020-21 में घटकर 1.13 प्रतिशत हो गया। इसका प्रमुख कारण कोविड-19 महामारी के कारण चीनी मिलों में उत्पादन का कार्य प्रभावित रहा। किन्तु वर्ष 2021-22 में पुन: चीनी मिल में उत्पादन प्रक्रिया प्रारम्भ हुई और सकल लाभ अनुपात बढ़कर 3.08 प्रतिशत हो गया है। अर्थात् वर्ष 2019-20 की तुलना वर्ष 2021-22 में 1.41 प्रतिशत की वृद्धि हुई । इसी प्रकार उक्त चीनी मिल का शुद्ध लाभ जो वर्ष 2019-20 में 1.13 प्रतिशत था वह वर्ष 2021-22 में बढ़कर 2.61 प्रतिशत हो गया अर्थात् विगत तीन वर्षों में शुद्ध लाभ में 1.48 प्रतिशत की वृद्धि परिलक्षित हुई ।

इसी प्रकार महाकौशल शुगर एंड पॉवर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बचई के सकल व शुद्ध लाभ की स्थिति का मूल्यांकन करें तो ज्ञात होता है कि वर्ष 2019 में मिल का सकल लाभ 6.75 प्रतिशत था जो वर्ष 2021-22 में 5.94 प्रतिशत रही, उत्पादन की दृष्टि से मिल में आंशिक कमी देखी गई जिसका मुख्य कारण कोविड-19 महामारी रही है। इसी प्रकार शुद्ध लाभ की स्थिति में भी कमी परिलक्षित हो रही है। वर्ष 2019-20 में जहां शुद्ध लाभ 6.75 प्रतिशत था, वह वर्ष 2021-22 में 4.99 प्रतिशत तक आ गया। इस प्रकार देखा जाये तो शुद्ध लाभ में 1.76 प्रतिशत की कमी परिलक्षित हुई।

इसी प्रकार नर्मदा शुगर प्राइवेट लिमिटेड, गाडरवाराकी स्थिति का मूल्यांकन करने पर ज्ञात होता है कि मिल का सकल लाभ वर्ष 2019-20 में जहां 9.46 प्रतिशत था वह वर्ष 2021-22 में बढ़कर 16.87 प्रतिशत हो गया अर्थात् सकल लाभ में 7.41 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी प्रकार शुद्ध लाभ की स्थिति को देखा जाये तो मिल को वर्ष 2019-20 में जहां 7.27 प्रतिशत शुद्ध लाभ हुआ वहीं वर्ष 2021-22 में बढ़कर 14.14 प्रतिशत हो गया। अर्थात् चीनी मिल के शुद्ध लाभ में 6.87 प्रतिशत की वृद्धि परिलक्षित होती है।

निष्कर्ष

इस प्रकार कहा जा सकता है कि अध्ययन क्षेत्र नरसिंहपुर जिले की 03 चीनी मिलों में से 02 चीनी मिलों (करेली शुगर मिल करेली नरसिंहपुर एवं नर्मदा शुगर मिल गाडरवारा) का सकल एवं शुद्ध लाभ में वृद्धि हुई है। महाकौशल शुगर एंड पॉवर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बचई के सकल व शुद्ध लाभ में आंशिक कमी देखी गयी है। अर्थात् महाकौशल शुगर एंड पॉवर लिमिटेड बचई की 03 वर्षों में लाभदायकता की स्थिति अन्य चीनी उद्योगों की तुलना में कम है। जिसका मुख्य कारण वर्ष 2020-21 से प्रारम्भ हुई कोविड महामारी को माना जा सकता है। कोविड के कारण गन्ना किसानों को पर्याप्त संसाधन उपलब्ध न होने की स्थिति में फसल का उत्पादन व विक्रय प्रभावित हुआ है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. सुन्दरम, के.पी. *et al* (2006), भारतीय अर्थव्यवस्था, एस.चंद एण्ड कम्पनी प्रा.लि., नई दिल्ली,
2. सिंह, एस.पी. *et al* (1974), उद्योगों का संगठन प्रबंध एवं वित्त, एस चंद एण्ड कम्पनी, प्रा.लि. नई दिल्ली.
3. सिंह एवं गंभीर (1974), राज्य एवं उद्योग, एम चन्द्र एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली.
4. त्रिवेदी, आर.एन. *et al* (2008), रिसर्च मैथडोलॉजी, त्रिपला बाजार, जयपुर-2.
5. उपाध्याय, आर.एल. (2004), व्यावसायिक वातावरण, रमेश बुक डिपो, दिल्ली.
6. वाष्र्णेय, पी.एन. (2005), बैंकिग विधि एवं व्यवहार, सुल्तान चंद एण्ड संस, नई दिल्ली.
7. अग्रवाल, एम.के. (2016) " मध्य प्रदेश के कृषि एवं औद्योगिक विकास में गन्ना उत्पादन एवं विपणन का विश्लेषणात्मक अध्ययन", पीएचडी थीसिस रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर।
8. गोस्वामी, एस. (2015), ''कृषि एवं उद्योग के मध्य अंतर सम्बंधों का एक अध्ययन (नरसिंहपुर जिले के आर्थिक विकास के सम्बंध में), अप्रकाशित शोध ग्रंथ, रा.दु.वि.वि. जबलपुर।
9. पॉल, एम. (2023), ''नरसिंहपुर जिले में कृषि आधुनिकीकरण का ग्रामीण विकास पर प्रभाव: एक भौगोलिक अध्ययन (1991-2015)'' अप्रकाशित शोध प्रबंध, रा.दु.वि.वि. जबलपुर (म.प्र.)।